<u>सेना के जवानों के लिए आयोजित निवेशक जागरूकता कार्यक्रम हेतु</u>
<u>सेबी के अध्यक्ष श्री तुहिन कांत पाण्डे का संबोधन</u>
<u>लेह, 15 सितंबर, 2026</u>

सेना के अधिकारियों और वीर जवानों को मेरा सलाम।

सबसे पहले**,** मैं भारतीय सेना के मेजर जनरल प्रवीण छाबड़ा, General Officer Commanding, 72 Sub Area, ब्रिगेडियर अजय कटोच, कर्नल कमल पाण्डे, **Centre Commandant, Ladakh Scouts Regimental Centre** और **AMFI** का शुक्रगुजार हूँ कि उन्होंने आज मुझे आपके सामने अपनी बात रखने का मौका दिया।

यह मेरे लिए बेहद सम्मान और गौरव की बात है कि आज मैं सेना के जवानों के बीच खड़ा हूँ। जिस तरह से आप पूरे अनुशासन**,** पूरी बहादुरी और पूरी तैयारी के साथ हमारे देश की रक्षा करते हैं**,** उसी तरह से आपको **invest** करते समय भी अनुशासन बरतना चाहिए और पूरी सावधानी बरतनी चाहिए।

आपकी ज़िंदगी आम लोगों से थोड़ी हटकर है**,** क्योंकि आप में से ज्यादातर जवानों का लम्बा अरसा अपने परिवार वालों से दूर रहकर ही गुज़र जाता होगा**,** और कई बार तो ऐसे हालात भी आते होंगे जब आपको उनसे बात किए भी दिन-महीने गुज़र जाते होंगे।

भारतीय सेना का **motto** है - "सेवा परमो धर्मः"**,** यानि कि "**Service Before Self**"। चूंकि आप अक्सर देश की सीमाओं की सुरक्षा की खातिर घर-परिवार से दूर रहते हैं**,** इसलिए आपको चाहिए कि आप अपने परिवार के लोगों का भविष्य सुरक्षित रखने की हर संभव कोशिश करें**,** ताकि उन्हें कभी आर्थिक परेशानी न झेलनी पड़े।

इसके लिए आपको तीन बातों का ख्याल रखना होगा: पहली यह कि - आप वहाँ निवेश करें जहाँ आपकी जमा-पूंजी सुरक्षित रहे**;** दूसरी यह कि - जमा-पूंजी में बढ़ोतरी भी होती रहे**;** और तीसरी यह कि - जरूरत पड़ने पर आपके परिवार के लोग आसानी से पैसा निकाल भी सकें।

निवेश: संभलकर, **समझकर (Responsible Investing)**

आप निवेश का फैसला अपनी और अपने परिवार वालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर ही लें। पहले आप खुद से यह सवाल करें कि मुझे पैसों की जरूरत कब पड़ेगी**?** मैं कितना **risk** (जोखिम) उठा सकता हूँ? अगर कभी अचानक कोई जरूरत आन पड़ी**,** तो क्या ऐसे वक्त के लिए मेरे पास पैसा

रहेगा**?** जिस वक्त मैं घर से दूर रहूँ**,** क्या मेरे परिवार वालों को यह पता रहेगा कि मैंने कहाँ-कहाँ निवेश किया हुआ है**?** क्या मैंने **nominations update** करवाए हुए हैं?

आप अपनी आमदनी के हिसाब से**,** परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के हिसाब से और अपनी जरूरतों के हिसाब से ही **risk (**जोखिम) उठाएँ। आप तो सेना के जवान हैं**,** इस वजह से आपको इन बातों का खास ख्याल रखना है**,** क्योंकि हो सकता है कि जिस वक्त आपके परिवार वालों को कभी अचानक कोई आर्थिक परेशानी आ जाए उस वक्त आप उनके पास न हों।

Securities market (यानि कि शेयर बाजार) में आपके लिए निवेश के कई विकल्प हैं - आप शेयरों में निवेश कर सकते हैं**, mutual funds** में निवेश कर सकते हैं और आप चाहें तो **corporate bonds**, **REITs** और **InvITs** में भी निवेश कर सकते हैं। आप उन्हीं **stock brokers**, **depository participants**, **mutual funds** और **investment advisors** से ही **deal** करें**,** जो **registered** हों।

निवेश के कई तरह के विकल्प (यानि कि **product)** उपलब्ध हैं**,** और निवेश के हर **product** में **risk (**जोखिम) भी अलग-अलग तरह का होता है**,** अब बस आपको अपनी समझदारी से और अपनी-अपनी जरूरत के हिसाब से उसे चुनना है**,** लेकिन जरा देख-भाल कर। यह कभी न सोचें कि मुनाफा (यानि कि **return)** कहाँ सबसे ज्यादा मिलेगा**,** आप बस अपनी जरूरत के हिसाब से ही निवेश करें।

आप इन पाँच बातों को गाँठ बाँध लें:

सबसे पहली बात diversification की, यानि कि आप अपना सारा पैसा एक ही जगह न लगाएं। आप सबसे पहले यह देखें कि आपकी जरूरतें क्या हैं और आप कितना risk उठा सकते हैं, उसी हिसाब से आप अपना पैसा एक ही जगह invest (निवेश) न करके अलग-अलग जगह invest करें।

दूसरी बात यह कि आप किसी product में निवेश करने से पहले उसकी पूरी जानकारी हासिल कर लें और यह भी जान लें कि उसमें invest करने में क्या risk है। अगर product समझ न आ रहा हो, तो उसमें अपना पैसा न डालें।

तीसरी बात यह कि investment (निवेश करने) का फैसला जितनी कम उम्र में ले सकें, ले लें, क्योंकि जितना जल्दी लेंगे उतना बेहतर रहेगा, और साथ ही साथ अगर आप थोड़ा-थोड़ा करके नियमित रूप से निवेश करते रहेंगे, तो आप देखेंगे कि compounding के हिसाब से आपकी जमा-पूंजी बढ़ती जाएगी।

आप mutual funds के ज़रिए भी invest कर सकते हैं, क्योंकि mutual funds में जो fund managers होते हैं वे लोग market के जानकार होते हैं और अलग-अलग जगह आपका पैसा invest करते हैं। आप लोगों के लिए SIP बेहतर विकल्प है, आप इसके ज़रिए भी invest कर सकते हैं, क्योंकि इसमें थोड़ा-थोड़ा पैसा हर महीने invest होता रहता है, और आपको ज़्यादा सोचना भी नहीं पड़ता।

चौथी बात यह कि अगर कहीं invest करने पर एक fixed return देने का वादा किया जा रहा हो, तब भी उसमें risk तो रहता ही है। जैसे कि Corporate bond में एक तय ब्याज (fixed interest) देने का वादा किया जाता है, लेकिन risk तो उसमें भी रहता है। एक बात यह हमेशा ध्यान रखें कि अगर आपको कोई मुनाफे की गारंटी दे रहा हो या फिर बहुत ज़्यादा मुनाफे (return) का आश्वासन दे रहा हो, तो समझ लें कि जरूर कुछ न कुछ गड़बड़ है।

पांचवीं बात यह कि उन्हीं products में invest करें जो regulated हों। अनजान लोगों की tips, social media पर आने वाले messages और finfluencers की बातों के झांसे में न आएँ। ऐसे में जब आपके मन में investment को लेकर कोई दुविधा आ जाए, तो आप वह पुरानी कहावत याद करें कि - **"हर चमकती चीज सोना नहीं होती"**।

Cyber frauds:

आपको और आपके परिवार के लोगों को इन बातों का ध्यान रखना है कि fraud करने वाले लोग सबसे पहले आपको एक message भेजकर या फिर फ़ोन करके बहुत ज़्यादा मुनाफ़े का झाँसा देंगे। फिर आपको कोई app download करने के लिए या फिर पैसा transfer करने के लिए कहेंगे। दिखने में तो वो app या websites आपको असली लगेंगे, लेकिन होंगे वो फ़र्ज़ी। इसलिए, आप पूरी जाँच-परख करके ही invest करें।

सेबी ने investors की सुरक्षा के लिए Validated UPI handles, सेबी Check और Verified App Label शुरू किए हैं। आज आपको छोटे-छोटे वीडियो दिखाए जाएँगे, जिनसे आपको यह समझ आ जाएगा कि आपके लिए ये कैसे फायदेमंद हैं।

आप अपने trading account और mutual fund folios को lock भी कर सकते हैं, ताकि कोई और उन्हें access ही न कर सके। इस तरह से आप अगर कभी लंबे अरसे तक दूर-दराज के इलाक़ों में भी रहें, तब भी आपके investments सुरक्षित रहेंगे।

मैं सेना के हर जवान से यह निवेदन करता हूँ कि आप आपके जीवनसाथी और परिवार के लोगों को ये चार साधारण बातें जरूर बताएँ:

1. उन्हें यह बताएँ कि जब भी वे किसी investment app को download करें, तो यह जरूर देख लें कि क्या 'Verified' label दिख रहा है।
2. यह भी बताएँ कि पैसा transfer करने से पहले, सेबी के 'Valid' और 'Check' tools की मदद से intermediary और payment details की पुष्टि कर लें । इसके लिए आप सेबी का Saa₹thi app अपने मोबाइल फोन पर install कर सकते हैं ।
3. उन्हें एक बात यह भी हमेशा ध्यान रखने को कहें कि अगर आपको कोई मुनाफे की गारंटी दे रहा हो या फिर बहुत ज़्यादा मुनाफे (return) का आश्वासन दे रहा हो, तो समझ लें कि दाल में जरूर कुछ न कुछ काला है।
4. उन्हें यह भी बताएँ कि वे trading account और mutual fund folios को lock भी कर सकते हैं।

सेबी ने **Project Jagrook** भी शुरू किया है। यह निवेशकों को जागरूक करने के उद्देश्य से देशभर में चलाया जा रहा एक अभियान है। इस अभियान के तहत निवेशकों को अलग-अलग modes से और अलग-अलग भारतीय भाषाओं में जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। मै चाहूँगा कि आप सब लोग इस सुविधा का लाभ उठाएँ। इस अभियान का मकसद यही है कि हर investor (निवेशक) को पूरी-पूरी जानकारी मिले, ताकि वह सोच-समझकर और पूरी एहतियात बरतते हुए invest करे।

आपके परिवार वालों को आपके investments **की पूरी-पूरी जानकारी हो**

एक बात आपको यह खास तौर पर समझनी होगी कि आपके परिवार वालों को आपके investments की पूरी-पूरी जानकारी होनी चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर वे उन्हें claim कर सकें।

सेबी ने nomination और transmission की प्रक्रिया भी आसान कर दी है। इसके लिए अब एक centralized व्यवस्था निर्धारित कर दी गई है, यानि कि अगर कभी किसी investor (निवेशक) की मृत्यु हो जाए, तो उसकी मृत्यु की जानकारी अब किसी एक intermediary को देने से ही काम हो जाता है । DigiLocker से आपके परिवार के लोग आपके mutual fund और demat holding statements देख सकते हैं।

Posting से पहले यह जरूर पक्का कर लें कि आपके परिवार के लोगों को आपके investments और nomination आदि के बारे में सब कुछ पता हो और उनके पास हर जरूरी documents भी हों।

आप हमेशा इन पाँच बातों का ध्यान रखें:

1. अपने demat account और mutual fund folios में nominations जरूर update करें।
2. आप अपना KYC, mobile number, email और bank details भी update रखें।
3. आप अपने investments और account या folio की details की एक list बनाकर रखें और उसे हमेशा संभालकर रखें।
4. आप अपनी holding statements DigiLocker में रखें और DigiLocker में nominee भी add करके रख लें।
5. आप अपने जीवनसाथी या अपने nominee को यह बताकर रखें कि आपने ये रिकॉर्ड कहाँ रखें हैं, और अगर कोई मदद लेनी हो तो वे किनसे संपर्क कर सकते हैं।

अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगे, तो आपके परिवार के लोगों को बाद में परेशानी कम होगी।

एक आखिरी बात: हमेशा उसी information पर भरोसा करें, जो official हो। आप regulated entities के जरिए ही deal करें, और verified sources से मिली जानकारी के आधार पर ही निवेश करें। अगर आपकी कोई शिकायत हो, तो आप अपनी शिकायत SCORES या Online Dispute Resolution की व्यवस्था के जरिए दर्ज करें।

अंत में...

अंत में, मैं अपनी बात इन पाँच शब्दों में समाप्त करना चाहूँगा:

Plan - यानि कि अपनी जरूरतों के हिसाब से invest करें,
Diversify - एक ही जगह सारा पैसा invest न करें,
Verify - निवेश करने से पहले पूरी जाँच-परख कर लें,
Nominate - nomination करवाकर रखें,
Stay invested - लंबे समय के लिए और नियमित रूप से invest करें।

जिस तरह से आप लोग पूरे अनुशासन और पूरी तैयारी के साथ देश की सुरक्षा करते हैं, ठीक उसी तरह आपको अपने investments का भी पूरा ध्यान रखना है और अपने परिवार के लोगों का भी, ताकि उन्हें कभी आर्थिक परेशानी न झेलनी पड़े।

मैं चाहूँगा कि आज इस कार्यक्रम के बाद, आप अपने परिवार वालों को अपने investments और nominations के बारे में बताएँ, और साथ ही उन्हें यह भी बताएं कि उन्हें किन-किन बातों का ध्यान रखना है, ताकि वे किसी भी तरह की धोखाधड़ी के शिकार न हों। यहाँ मैं यह कहूँगा कि - "आज की थोड़ी तैयारी, कल की बड़ी ज़िम्मेदारी"।

देश के प्रति समर्पित आपकी सेवा को नमन और सलाम। जय हिन्द!